फ़िल्म 'नागबंधम' का टीजर सुपरस्टार महेश बाबू ने किया रिलीज

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर, अभिषेक नामा के डायरेक्शन में बनी माइथो-एक्शन फिल्म 'नागबंधम' का बहुप्रतीक्षित टीज़र रिलीज़ कर दिया गया है. इस फिल्म में विराट कर्णा लीड रोल में हैं. प्रोड्यूसर किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने इस फिल्म को एक बहुत बड़े स्केल पर तैयार किया है. सुपरस्टार महेश बाबू ने इस टीज़र को रिलीज किया है. फ़िल्म 'नागबंधम' की कहानी अब्दाली के ऐतिहासिक अफगान आक्रमण से प्रेरित है, जिसमें माइथोलॉजी, इतिहास और आध्यात्मिक युद्ध का अनोखा मेल देखने को मिलता है. यह लड़ाई सांस्कृतिक विरोध और दैवीय सुरक्षा के बीच के टकराव को दिखाती है.इस महागाथा के केंद्र में है पवित्र नागबंधम मंदिर, एक ऐसा गुप्त मंदिर जिसकी रक्षा दिव्य शक्तियां कर रही हैं और माना जाता है कि यहाँ ब्रह्मांड की एक प्राचीन शक्ति सुरक्षित है. हिमालय के छिपे हुए रास्तों के बीच स्थित इस मंदिर में इतनी अपार शक्ति है कि अगर यह गलत हाथों में पड़ गई, तो अकल्पनीय तबाही आ सकती है. विराट कर्णा एक बहुत ही दमदार और बदले हुए अवतार में नज़र आ रहे हैं. टीज़र में मगरमच्छ के साथ उनकी लड़ाई के अलावा, भगवान शिव के रूप में उनकी एंट्री सबसे बड़ी हाईलाइट है. शिव जी का किरदार निभाना आसान नहीं होता, लेकिन विराट ने इसे पूरी शिद्दत से निभाया है. उनकी इंटेंसिटी और गजब का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन इशारा करता है कि यह उनके करियर की सबसे यादगार परफॉरमेंस होने वाली है.

फिल्म की कास्टिंग इसकी एक और बड़ी ताकत है. इसमें नभा नतेश, ईश्वर्या मेनन, महेश मांजरेकर, जगपति बाबू, ऋषभ साहनी, गरुड़ राम, जयप्रकाश, मुरली शर्मा, अनसूया भारद्वाज और बी.एस. अविनाश जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे.

79 वर्ष के हुए रणधीर कपूर

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रणधीर कपूर आज 79 वर्ष के हो गये. 15 फरवरी 1947 को मुंबई में जन्मे रणधीर कपूर को अभिनय की कला विरासत में मिली.रणधीर कपूर के पिता राजकपूर फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने अभिनेता और फिल्मकार थे. रणधीर कपूर ने शुरुआती दौर में बतौर बाल कलाकार श्री 420 और दो उस्ताद जैसी कुछ फिल्मों में काम किया.इसके बाद उन्होंने वर्ष 1968 में प्रदर्शित फिल्म झुक गया आसमान में बतौर सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया.

वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म कल आज और कल के जरिये रणधीर कपूर ने अभिनेता और स्वतंत्र निर्देशक के तौर अपना कदम रख दिया.कल आज और कल भारतीय सिनेमा के इतिहास में कालजयी फिल्मों के रूप में शुमार की जाती है. इस फिल्म में तीन पीढ़ी पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और रणधीर कपूर एक साथ नजर आयी.इस फिल्म में बबीता ने भी अहम भूमिका निभायी थी जो बाद में रणधीर कपूर की जीवन संगिनी बन गयी.

वर्ष 1972 में रणधीर कपूर की जवानी दीवानी और रामपुर का लक्ष्मण जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुयी.वर्ष 1974 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म हाथ की सफाई में रणधीर कपूर की जोड़ी विनोद खन्ना के साथ काफी सराही गयी.फिल्म में दोनों कलाकारों का टकराव देखने लायक था.वर्ष 1975 में प्रदर्शित फिल्म धरम करम में एक बार फिर से रणधीर कपूर ने निर्देशन करने के साथ ही अभिनय भी किया लेकिन दुर्भाग्य से यह फिल्म टिकट खिड़की पर सफल नहीं रही.

वर्ष 1977 में प्रदर्शित फिल्म चाचा-भतीजा रणधीर कपूर के करियर की एक और सुपरहिट फिल्म साबित हुयी. इस फिल्म में धर्मेन्द्र के साथ उनकी जोड़ी काफी पसंद की गयी.

वर्ष 1978 में प्रदर्शित फिल्म कस्मेवादे रणधीर कपूर के करियर की उल्लेखनीय फिल्मों में शुमार की जाती है.इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने मुख्य भूमिका निभायी थी. अमिताभ जैसे सुपर सितारे की मौजूदगी में भी रणधीर कपूर ने अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया.

'मरियम सिर्फ एक किरदार नहीं था... उसने मुझे भीतर से छू लिया'

अभिनेत्री शालिनी पांडे का कहना है कि वेबसीरीज बैंडवाले में उनका निभाया मरियम का किरदार मरियम सिर्फ एक किरदार नहीं था, उसने उन्हें भीतर से छू लिया.

जैसे ही बैंडवाले की स्ट्रीमिंग शुरू हुई, शालिनी पांडे ने सोशल मीडिया पर एक बेहद निजी और भावुक नोट शेयर कर इस खास पल को सेलिब्रेट किया. अपने किरदार मरियम की दुनिया में दर्शकों को स्वागत करते हुए उन्होंने उस सफर को याद किया, जो सिर्फ क्रिएटिव नहीं बल्कि उनके लिए पर्सनल तौर पर भी बदल देने वाला रहा.यह रिलीज ऐसे वक्त पर आई है जब शालिनी अपने करियर के एक कॉन्फिडेंट और सशक्त फेज में हैं. हाल ही में फिल्म महाराज के लिए ब्रेकथ्रू परफॉर्मेंस अवॉर्ड जीतने के बाद उन्होंने लगातार ऐसे रोल चुने हैं जो इमोशनल डेप्थ और बारीकियों की मांग करते हैं.

पिछले साल डब्बा कार्टेल और राहु केतु जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ उन्होंने ऐसे किरदार निभाए जो उनके आर्टिस्टिक इंस्टिंक्ट्स को चुनौती देते रहे. और लगता है कि बैंडवाले ने उन पर एक खास छाप छोड़ी है.

अक्षत वर्मा के निर्देशन में बनी और स्वानंद किरकिरे व अंकुर तेवारी द्वारा को-क्रिएट की गई बैंडवाले की कहानी रतलाम की एक युवा शायरा मरियम के इर्द-गिर्द घूमती है. मरियम शादी, उम्मीदों और अनकही महत्वाकांक्षाओं के बीच घुटती हुई खामोशियों को जीती है. यह एक सॉफ्ट रिबेलियन की कहानी है, जहां विरोध शोर नहीं करता, भीतर ही भीतर सुलगता है.

टेलीविजन हलचल

सितारों को जिताने के लिए अभी वोट कीजिए

24वें ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2026 इस बार और भी बड़े अंदाज़ में 28 फरवरी और 1 मार्च को मुंबई के एनएससीआई डोम, वर्ली में होने जा रहे हैं. इस शाम में जहां शानदार परफॉर्मेंस, यादगार लम्हे और बॉलीवुड के बड़े सितारे एक छत के नीचे नजर आएंगे, वहीं इस साल भी इस जश्न का असली दिल फैंस ही हैं. 'फैंटरटेनमेंट' को अगले मुकाम पर ले जाते हुए इस बार की थीम है 'ये पल है फैंस का. ज़ी सिने अवॉर्ड्स इस बार उन दर्शकों को केंद्र में रख रहा है, जो सिनेमा को असली ताकत देते हैं. करियर बनाने से लेकर फिल्मों को ब्लॉकबस्टर बनाने तक, फैंस ही बॉलीवुड की असली ताकत हैं और इस बार उनकी आवाज़ सीधे फैसले करेगी.

इस उत्साह को और बढ़ाते हुए व्यूअर्स चॉइस वोटिंग 11 फरवरी 2026 से लाइव हो चुकी है. अब फैंस अपने पसंदीदा फिल्म, एक्टर और गानों को जिताने के लिए वोट कर सकते हैं. दर्शक आधिकारिक वेबसाइट, सोशल मीडिया, जी5 ऐप और व्हॉट्सऐप के जरिए वोट कर सकते हैं.

'हर जनम' पर बोले 'जगद्धात्री' के स्टार्स

जी टीवी का पॉपुलर शो 'जगद्धात्री' लगातार दर्शकों का भरपूर प्यार और सराहना पा रहा है. दमदार कहानी, रिश्तों की गहराई और शानदार एक्टिंग ने इस शो को टीवी के सबसे चर्चित शोज़ में शामिल कर दिया है. खासकर शिवाय (फरमान हैदर) और जगद्धात्री (सोनाक्षी बत्रा) की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है, और प्रशिवधात्री अब फैंस की पसंदीदा लव स्टोरी बन चुकी है.अब इस लव स्टोरी को एक कदम आगे बढ़ाते हुए मेकर्स ने नया रोमांटिक गाना 'हर जनम' रिलीज किया है, जिसे शिवाय और जगद्धात्री पर खूबसूरती से फिल्माया गया है. फैंस इस गाने की जमकर तारीफ कर रहे हैं और इसे किसी फिल्मी लव एंथम से कम नहीं बता रहे. उनका कहना है कि ये गाना दोनों के रिश्ते की गहराई को बेहद खूबसूरती से दिखाता है. जगद्धात्री' में जगद्धात्री का किरदार निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा ने कहा, 'एक एक्टर के तौर पर प्यार के अलग-अलग रंगों को गानों के जरिए दिखाने का मौका मिलना हमेशा खास होता है, और 'हर जनम' की शूटिंग मेरे लिए सच में बहुत खूबसूरत अनुभव रहा.

एण्डटीवी लेकर आया 'इंडिया का लव लैंग्वेज'

एण्डटीवी ने एक खास पहल शुरू की है, जो दिखाती है कि प्यार अक्सर शब्दों में नहीं, बल्कि छोटे-छोटे कामों, साथ निभाने और रोजमर्रा के अंदाजों में छुपा होता है. 'इंडिया का लव लैंग्वेज' नामक यह कैम्पेन इस बात को सामने लाता है कि हमारे यहाँ प्यार अक्सर छोटे-छोटे अंदाज़ में दिखता है. खासकर पुरुषों में, जो अपने प्यार को ज्यादातर खुलकर नहीं जताते. मगर प्यार हमेशा महसूस होता है-किसी की मदद करने में, रोजमर्रा की देखभाल में, साथ हंसने-खेलने में या बस चुपचाप साथ देने में. एण्डटीवी इस पहल के जरिए लोगों को प्रोत्साहित करता है कि वे अपने प्यार को आसान, सीधे तरीके से और दिल से जताएँ.

भाई-बहनों के बीच तुलना उन्हें प्रतिद्वंद्वी बना देती है

बॉलीवुड अभिनेत्री संदीपा धर का कहना है कि भाई-बहनों के बीच तुलना उन्हें प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे ज़ख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं.

संदीपा धर,20 फरवरी को रिलीज़ होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नैना के किरदार में नज़र आने वाली है.जा रही संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक ऐसा भावुक और सच्चा अनुभव साझा किया है, जिससे हम सब कभी न कभी गुज़रे होंगे. इस फिल्म में मृणाल ठाकुर की बहन बनी संदीपा धर ने खूबसूरती से अपनी बात रखी है.

संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक संदेश के साथ कड़वी सच्चाई बयां करते हुए लिखा है, 'अपने भाई या बहन को देखो, वह कितना अच्छा है... यह एक ऐसा वाक्य है जो बचपन की अनकही यादों को तुरंत जगा देता है.'

संदीपा धर के अनुसार ,नैना का किरदार निभाते हुए उन्हें समझ आया कि कैसे लगातार तुलना किसी की पहचान, आत्मविश्वास और रिश्तों को धीरे-धीरे खोखला कर देती है.

उन्होंने कहा, तुलना, भाई-बहनों को प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे ज़ख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं. माता-पिता, शिक्षक या रिश्तेदार अक्सर अनजाने में कहे गए 'अपनी बहन जैसी बनो' जैसे वाक्यों के असर को नहीं समझ पाते, लेकिन वही बातें जीवन भर दिमाग में गूंजती रहती हैं.

एकता कपूर और इम्तियाज अली फिर साथ

फिल्म 'लैला मजनू' के बाद इम्तियाज़ अली और एकता कपूर फ़िल्म 'हीर रांझा' के लिये अपनी क्रिएटिविटी का जादू बिखेरने के लिये तैयार हैं. 'हीर रांझा' 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा हिस्सा है, जो मोहब्बत की इस पुरानी कहानी को आज के दर्शकों के साथ एक नए और गहरे अंदाज़ में जोड़ेगी.

पुरानी क्लासिक लव स्टोरी होने के बावजूद, 'हीर रांझा' को आज के दौर के हिसाब से ढालकर पेश किया जाएगा. यह फिल्म नई पीढ़ी के लिए प्यार के मायने फिर से लिखेगी और एक ऐसी जादुई दुनिया बनाएगी जिसमें दर्शक पूरी तरह खो जाएंगे. जैसे ही फिल्म के नाम का खुलासा हुआ, 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी के फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है.

'हीर रांझा' की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है और इस फिल्म का डायरेक्शन साजिद अली करेंगे.

एकता कपूर ने कहा, 'इम्तियाज़ और साजिद के पास प्यार को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ दिखाने का एक खास हुनर है. 'लैला मजनू' को भले ही अपना मुकाम बनाने में थोड़ा वक्त लगा, लेकिन आज वह एक कल्ट क्लासिक बन चुकी है! 'हीर रांझा' एक ऐसी प्रेम कहानी है जो वक्त और जज्बातों की सीमाओं को पार करने का दम रखती है. हमें उम्मीद है कि अपनी कहानी कहने के अंदाज़ से हम भारत और पूरी दुनिया के दर्शकों के दिलों को छू पाएंगे.'

यंग इंडिया

झारखंड सिविल सेवा परीक्षा की लास्ट डेट बढ़ी

जेपीएससी ने झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 के तहत ऑनलाइन अप्लाई करने की लास्ट डेट बढ़ा दी है. साथ ही परीक्षा का शुल्क जमा करने के अंतिम तारीख भी बढ़ा दी गई है. अब सभी कैंडिडेट्स 20 फरवरी तक अप्लाई कर सकते हैं और फीस जमा करने के लिए उनके पास 21 फरवरी 2026 तक का समय है. इस परीक्षा के जरिए कुल 103 पदों पर भर्ती होगी. पहले अप्लाई करने की लास्ट डेट 14 फरवरी तय की गई थी.

कैसे करें अप्लाई ?

सबसे पहले JPSC की ऑफिशियल वेबसाइट खोलें.

Civil Services Examination 2026 से संबंधित आधिकारिक अधिसूचना डाउनलोड कर पात्रता, आयु सीमा और पदों की जानकारी ध्यान से पढ़ लें.

नया रजिस्ट्रेशन करें.

लॉगिन कर आवेदन फॉर्म भरें.

डॉक्यूमेंट्स, हाल की फोटो, साइन और आवश्यक शैक्षणिक प्रमाणपत्र अपलोड करें.

आवेदन शुल्क जमा करें.

फॉर्म सबमिट कर प्रिंट लें.

वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया है

आवेदन प्रक्रिया वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) के माध्यम से ऑनलाइन होगी. आयोग ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वह आवेदन करने से पहले डिटेल विज्ञापन को अच्छी तरह से पढ़ लें. दिशा निर्देशों को पढ़ लें. किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए छ्क्ष्स्ष्ट द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 9431301636/ 9431301419 पर वर्किंग डे में संपर्क कर सकते हैं.

कैसे होगा सेलेक्शन?

परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाएगी: प्रारंभिक परीक्षा , मुख्य परीक्षा , साक्षात्कार

यह परीक्षा झारखंड राज्य की विभिन्न प्रशासनिक सेवाओं जैसे डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी, वित्त/लेखा सेवा समेत अन्य पदों पर नियुक्ति के लिए आयोजित की जाती है. आयोग ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए जल्द आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें.

युवाओं की पहली पसंद बन रही मरीन इंजीनियरिंग

आज के समय में मरीन इंजीनियरिंग उन स्टूडेंट्स के बीच तेजी से पॉपुलर हो रही है, जो टेक्नोलॉजी और एडवेंचर से भरा करियर चाहते हैं. समुद्री व्यापार और शिपिंग इंडस्ट्री के बढ़ते इम्पॉर्टेंस के कारण इस सेक्टर की डिमांड लगातार बढ़ रही है. ऐसे में यूरोप का विकसित देश Norway मरीन इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए एक अच्छा ऑप्शन बनकर सामने आया है.

नॉर्वे की मजबूत समुद्री परंपरा, मॉडर्न टेक्नीक और हाई एजुकेशन इसे खास बनाती है. यहां स्टूडेंट्स को न केवल बेहतरीन एकेडमिक माहौल मिलता है, बल्कि वर्ल्ड लेवल पर करियर बनाने के शानदार मौके भी मिलते हैं. यही वजह है कि नॉर्वे में Marine Engineering आज युवाओं की पहली पसंद बनती जा रही है. आइए जानते हैं कि नॉर्वे में मरीन इंजीनियरिंग ब्रांच क्यों इतना पॉपुलर है.

नॉर्वे में मरीन इंजीनियरिंग क्यों पॉपुलर है ? - मरीन इंजीनियरिंग एक तेजी से बढ़ता हुआ करियर ऑप्शन बन चुका है. समुद्री व्यापार और शिपिंग इंडस्ट्री की बढ़ती जरूरतों के कारण इस फील्ड में स्किल्ड इंजीनियरों की मांग लगातार बढ़ रही है. ऐसे में यूरोप का विकसित देश नॉर्वे मरीन इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए काफी पॉपुलर हो गया है.

समुद्र से जुड़ा मजबूत देश - नॉर्वे दुनिया के सबसे बड़े समुद्री और शिपिंग देशों में से एक है. यहां का शिपिंग इंडस्ट्री, ऑफशोर ऑयल और गैस सेक्टर काफी डेवलप है. इसलिए स्टूडेंट्स को पढ़ाई के साथ-साथ इंडस्ट्री एक्सपोजर भी मिलता है.

मॉडर्न और प्रैक्टिकल पढ़ाई यहां की यूनिवर्सिटीज में थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर ज्यादा जोर दिया जाता है. मॉडर्न लैब्स और सिमुलेटर के जरिए स्टूडेंट्स छात्रों को प्रैक्टिकल एक्सपिरियंस मिलता है.

ग्लोबल आइडेंटिटी - नॉर्वे की डिग्री को इंटरनेशनल लेवल पर मान्यता प्राप्त है. यहां से मरीन इंजीनियरिंग करने के बाद छात्र दुनिया के किसी भी देश में नौकरी पा सकते हैं.

हाई सैलरी पैकेज- मरीन इंजीनियर्स को नॉर्वे में काफी अच्छी सैलरी मिलती है. ऑफशोर कंपनियों में काम करने वाले इंजीनियर लाखों रुपये प्रति माह कमा सकते हैं.

पर्यावरण और ग्रीन टेक्नोलॉजी- नॉर्वे ग्रीन शिपिंग और पर्यावरण-अनुकूल समुद्री टेक्नीक में अग्रणी है. यहां स्टूडेंट्स को फ्यूचर की टेक्नोलॉजी पर काम करने का अवसर मिलता है.

आधार ऑपरेटर सुपरवाइजर के 252 पदों पर भर्ती

सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया ने 252 आधार ऑपरेटर/सुपरवाइजर पदों के लिए भर्ती अधिसूचना जारी की है. 12वीं पास उम्मीदवार इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, बस निर्धारित योग्यता और शर्तें पूरी करनी होंगी.

आवेदन के लिए जरूरी योग्यता- इस भर्ती के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए. शैक्षणिक योग्यता के लिए उम्मीदवार के पास 12वीं (इंटरमीडिएट/ सीनियर सेकेंडरी) पास, या मैट्रिक के बाद 2 वर्षीय ITI, या मैट्रिक के बाद 3 वर्षीय पॉलिटेक्निक डिप्लोमा होना जरूरी है. संबंधित राज्य द्वारा अर्ध-कुशल श्रमिकों के लिए तय की गई न्यूनतम मजदूरी भी लागू होगी.

अनिवार्य प्रमाणन: इस पद के लिए उम्मीदवार के पास IDAI द्वारा मान्यता प्राप्त एजेंसी से जारी आधार ऑपरेटर/सुपरवाइजर प्रमाण पत्र होना जरूरी है. इसका मतलब है कि केवल वही व्यक्ति आवेदन कर सकता है जिसने आधिकारिक प्रशिक्षण और परीक्षा पास की हो.

कैसे करें आवेदन?-

सबसे पहले आधिकारिक ष्स्ष्ट जॉब पोर्टल पर career.csccloud.in जाएं.

अपने CSC VLE क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके लॉगिन/रजिस्टर करें, या नया खाता बनाएं.

अब 'आधार सुपरवाइजर/ऑपरेटर - जिला' पोस्ट खोजें (या 'आधार राजस्थान' कीवर्ड से खोजें).

नौकरी से जुड़ी सभी विवरण, पात्रता और नियम-शर्तें ध्यानपूर्वक पढ़ें. ऑनलाइन आवेदन पत्र को सही-सही भरकर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें.

क्रिएटिव दिमाग के लिए बेस्ट करियर ऑप्शन

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर, ऑफिस या दुकान को सुंदर और आकर्षक बनाना चाहता है. बदलती लाइफस्टाइल और मॉडर्न सोच के साथ इंटीरियर डेकोरेशन का इम्पॉर्टेंस लगातार बढ़ता जा रहा है. यही कारण है कि इंटीरियर डेकोरेशन कोर्स युवाओं के बीच एक पॉपुलर करियर ऑप्शन बन चुका है. यह कोर्स छात्रों को सिखाता है कि कैसे किसी भी जगह को क्रिएटिव तरीके से सजाकर उसे अच्छा अट्रैक्टिव और यूजफुल बनाया जाए.

इंटीरियर डेकोरेशन एक कला है, जिसमें किसी घर, ऑफिस, होटल या किसी भी स्थान के अंदरूनी हिस्से को सुंदर, आकर्षक और आरामदायक बनाया जाता है. इसमें दीवारों के रंग, फर्नीचर, पर्दे, लाइटिंग, फर्श और सजावटी चीजों का सही सिलेक्शन और सही तरीके से सजावट शामिल होती है. इसका मेन मोटिव किसी जगह को देखने में अच्छा बनाने के साथ-साथ उसे यूजफुल भी बनाना है. इस कोर्स में डिजाइन की बेसिक नॉलेज, कलर थ्योरी, फर्नीचर डिजाइन, लाइटिंग डिजाइन, स्पेस प्लानिंग, मटेरियल और टेक्सचर की डिटेल्स जैसे सब्जेक्ट पढ़ाए जाते हैं.

कोर्स के प्रकार-

सर्टिफिकेट कोर्स (6 महीने से 1 साल)

डिप्लोमा कोर्स (1 से 2 साल)

मास्टर्स डिग्री (2 साल)

बैचलर डिग्री (3 से 4 साल)

सैलरी और करियर ऑप्शन

इंटीरियर डेकोरेशन कोर्स करने के बाद शुरुआती सैलरी लगभग 2 से 4 लाख प्रतिवर्ष मिल सकती है. कुछ साल के एक्सपिरियंस बढ़ने के बाद सैलरी 8-15 लाख या उससे ज्यादा भी हो सकती है. यह कोर्स करने के बाद आप इंटीरियर डेकोरेटर, इंटीरियर डिजाइनर, सेट डिजाइनर, फर्नीचर कंसल्टेंट और फ्रीलांसर या अपना बिजनेस भी स्टार्ट कर सकते हैं.